केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - २

रविवार, १ मार्च, २०१५ **समय : दोपहर २.०० से ५.००** **कुल गुण : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

	दिनांक		महिना		वर्ष			
परीक्षार्थी का जन्म दिन								

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (९)	
	३ (८)	
	४ (६)	
	५ (५)	
	६ (६)	
	७ (८)	
विभाग-१, कुल गुण (५१)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	८ (९)	
	९ (९)	
	१० (८)	
	११ (५)	
	१२ (४)	
	१३ (८)	
	१४ (६)	
विभाग-२, कुल गुण (४९)		

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम

प्रवीण - २

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''हम इस महान वैरागी जीव को हमारे जैसे ही समझते थे ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ | |

२. ''आप तो सर्वोपरि तथा सर्व अवतारों के अवतारी हो ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ | |

३. ''ऐसा तो पहली बार हुआ है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं <u>तीन</u> के बारे में कारण लिखिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. श्रीजीमहाराज ने मूलजी और कृष्णजी को विधिवत् दिक्षा दी ।
२. खोरासा के राजाभाई को संसार असार लगा ।
३. दो ब्राह्मणों ने द्वारिका की यात्रा बीचमें से ही रोक दी ।
४. श्रीजीमहाराज ने रामबाई के पानी के घड़े मे चरण रखे ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - २ गुण - ९		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. जेतलपुर की गणिका । **अथवा** २. जेठा मेर ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. गृहस्थाश्रमी के विशेष धर्म । **अथवा** ४. संप्रदाय के शास्त्र : गुणातीतानंद स्वामी का उपदेशामृत ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

गुण : ४

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ६)

१. गोपालानंद स्वामी ने अपना धर्म निभाने के लिये और हरिभक्त का मान रखने कि लिये क्या किया ? गुण : १

....

....

२. श्रीजीमहाराज ने उकाखाचर की प्रशंसा किस वचनामृत में की है ? गुण : १

....

....

३. तीर्थ किसे कहते हैं ? गुण : १

....

....

४. नंदराजा ने किसे प्रसन्न करके अस्थि का टुकड़ा प्राप्त किया ? गुण : १

....

....

५. शतानंदमुनि ने श्रीजीमहाराज के पास क्या वरदान माँगा ? गुण : १

....

....

६. त्यागियों को कब दस हज़ार गायों को मारने का पाप लगता है ? गुण : १

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ५		नाम	प्र - ६ गुण - ६		नाम

प्र. ५ 'भगवान जीवों के गुनाहों की.....' - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए ।**
(कुल गुण : ५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । (कुल गुण : ६)

विषय : अलैया खाचर

१. गढ़डा से दस मील की दूरी पर कुंडल गाँव के थे । **२.** श्रीजीमहाराज बोल उठे : 'मुक्तानंद स्वामी ! आप तो कुछ जानते ही नहीं !' **३.** मुक्तानंद स्वामी ने पहले क्रम में दादाखाचर, दूसरे क्रम में सुराखाचर और तृतीय क्रम में सोमलाखाचर का नाम लिया । **४.** रामानंद स्वामी की शक्ति से वे लोगों को समाधि लगवाकर स्वर्ग के दर्शन करवाते थे । **५.** बड़ी तोंद पर लपेटे हुए वस्त्र की गाँठ महाराज ने अपने पैर के अँगूठे से खोल दी । **६.** पाँच हज़ार व्यक्तियों को सत्संगी बनाया । **७.** गढ़पुर सभा में श्रीजीमहाराज का प्रश्न हरिभक्तों में श्रेष्ठ कौन है ? **८.** श्रीजीमहाराज संतमंडल के साथ राधा वाव में स्नान कर रहे थे । **९.** मानभंग होने के तीव्र आघात से अलैयाखाचर ने आवेश में आकर अपनी तलवार निकाली । **१०.** वहाँ कोई भगवान है ही नहीं । सिर्फ एक अयोध्या का ब्राह्मण रहता है । **११.** पंचविषय का अभाव न होने पर कुछ लोग मुक्तानंद स्वामी जैसों का मस्तक भी काटने जैसा द्रोह कर दें । **१२.** गुणातीतानंद स्वामी के पास जाकर दीनतापूर्वक क्षमायाचना की ।

(१) केवल सही क्रमांक [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] गुण : ३ [ ]

(२) यथार्थ घटनाक्रम [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] गुण : ३ [ ]

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ८		नाम

प्र. ७ निम्नलिखित कीर्तन / जनमंगलस्तोत्रम् / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ८)

१. पछी बोलिया श्याम .....

.....

.....

..... मानी वात ॥ | गुण : २ | |

२. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्रीश्रित संसृतिमोचनाय नमः .....

.....

.....

..... ॐ श्री वैष्णवक्रतुकारकाय नमः ॥ | गुण : २ | |

३. श्वासेन .....

.....

.....

..... प्रपद्ये ॥ | गुण : २ | |

४. गालिदानं ताडनं ..... चिन्तनीयं हितं च तैः ॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद लिखिए ।

.....

.....

.....

..... | गुण : २ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - २ : गुणातीतानंद स्वामी

प्र. ८ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''हमारा अक्षरधाम हैं, वह हम कृष्णार्पण करते हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ | |

२. ''मैंने तुझे जो आशीर्वाद दिए हैं उन सब की पूर्ति जूनागढ़ के जोगी करेंगे ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ | |

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ९		नाम

३. ''आप जूनागढ़ जाते हैं तो हम कुछ पाथेय साथ में बांध देते हैं ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.९ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. गोपालानंद स्वामी ने कहा : सच्चा व्यवहार तो गुणातीतानंद स्वामीने ही किया ।
२. चरवाहाने स्वामी के पैर पकड़ लिए और उनको गुरु स्वीकार किया ।
३. मावजीभाई करांची गये ।
४. प्रभासक्षेत्र की यात्रा में निकले हुए भोलानाथ संघ को छोड़कर वापस घर लौटे ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ३

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ३

( ) .....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ९		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं <u>दो</u> विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. नथु नायी ने अनुभव किया हुआ मूलजी का ऐश्वर्य ।

२. वेदांतियों का पराजय ।

३. निश्चय कराया ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४

( )

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. मूलजीने गुरु के रूप में किसका स्वीकार किया ?

गुण : १	

.....

.....

२. कौन अक्षरब्रह्म को सद्‌गुरु साहब कहकर भजन करते थे ?

गुण : १	

.....

.....

३. श्रीजीमहाराज के स्वमुख से स्वामी की कैसी महिमा सुनकर शुकमुनि को अत्यंत आश्चर्य हुआ ?

गुण : १	

.....

.....

४. मूलजीभक्त और नीलकंठवर्णी का प्रथम मिलन कहाँ हुआ ?

गुण : १	

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ११ गुण - ५		नाम

५. गुणातीतानंद स्वामी की इच्छा से रघुवीरजी महाराजने अचिंत्यानंद ब्रह्मचारी को किस ग्रंथ की रचना करने की आज्ञा दी ? | गुण : १ |

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१२ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए ।
(बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ४)

१. संतो को शिक्षावचन । २. जीव का ऊलटा स्वभाव । ३. वृद्ध कोई भगवान का भजन करते नहीं ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ४		नाम	प्र - १३ गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

भावार्थ : .....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. सेवा करे वही महंत — गुण : २ [ ]

(१) [ ] आज महिमा समझ में आई है ।

(२) [ ] आप तो चौक साफ कर रहे थे ।

(३) [ ] हमने स्त्री-धन का त्याग किया है ।

(४) [ ] ऊलटी गंगा नहीं बहेगी ।

२. तुलसी दवे — गुण : २ [ ]

(१) [ ] वह ज्ञान आप मुझे प्रदान करें ।

(२) [ ] संकल्प होते थे, वे सब मिट गए हैं ।

(३) [ ] मुझे आप अष्टांग योग सिद्ध न करायेंगे ?

(४) [ ] देह-इन्द्रियों को चूर चूर कर देंगे तब होगी ।

३. घनश्यामदास स्वामी — गुण : २ [ ]

(१) [ ] पूर्वाश्रम में पूजा डोडिया (२) [ ] सफेद दागवाली गाय ।

(३) [ ] ऐसा गलत आक्षेप क्यों लगाते हैं ? (४) [ ] आप सचमुच में अक्षर ही हैं ।

४. नागर भाविक का परिवर्तन — गुण : २ [ ]

(१) [ ] आश्रम (मंदिर) के महंत होने पर भी ऐसा समान्य खाते हैं ।

(२) [ ] बिना कुछ बोले खा लिया ।

(३) [ ] बाजरे की सूखी रोटियों का चूरा दूध में मिलाकर खाते हैं ।

(४) [ ] थाली को फैंकता ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १४ गुण - ६		नाम

प्र.१४ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **वृत्ति का निरोध :** संवत् १८७९ के वर्ष में सोरठ में भयानक बारिश हुई थी। इसी कारण गुणातीतानंद स्वामी ने नित्यानंद स्वामी को तीन सौ संतों के साथ बड़ौदा भेज दिए ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **सूक्ष्म तप :** एकबार छोटे भाईदास स्वामी की विनती से स्वामी ने पार्षदों को उनके साथ विचरण करने भेजे । किसी एक शहर में चार-पाँच पार्षद बीमार हो गए ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **मैं आपमें निरंतर रहता हूँ :** नित्यानंद स्वामी गढ़डा पहुँचे । तब महाराज भी मानो स्वामी के आने की प्रतीक्षा में ही थे । संदेश मिलते ही महाराज जूनागढ़ की ओर चल दिए ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **मान अपमान में एकता :** अभी वे बोल ही रहे थे कि कोई जाकर आचार्य रघुवीरजी महाराज को बुला ले आया और संध्या मानसी का डंका बजा। सबको मानसी में जाना पड़ा ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

५. **गृहत्याग और दीक्षा :** संवत् १८६७ का मार्गशीर्ष अमावस का वह दिन था, स्वामी ने श्वेतांबर घारण किया था, सिर पर दक्षिणी पाघ पहनी थी ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

६. **रंक से राय :** गरमी का मौसम था । सुबह के समय महाराज रामानंद स्वामी के प्रसादीभूत हरि धरा पर संत-हरिभक्तों के साथ घूमने के लिए पधारे थे ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**